तरसी तरसी रे नजरियाँ आजा मनमोहना

तरसी तरसी रे नजरियाँ आजा मनमोहना,
सुनी सुनी धग्रिया आजा मनमोहना,
तरसी तरसी रे नजरिया आजा मनमोहना,

बिरहा अगन को सहते सहते सूखे अनसु बेहते बेहते,
रूठा सांवरिया आजा मनमोहना,
तरसी तरसी रे नजरिया आजा मनमोहना...

जाने कब धरकन रुक जाये,
सदा के लिए पलके झुक जाये,
लेले खबरिया अब तो मनमोहना,
तरसी तरसी रे नजरिया आजा मनमोहना.....

सुना पड़ा है कदम पे झुला,
सावन भी अब बरसना भुला,
खाली गगरिया आजा मनमोहना,
तरसी तरसी रे नजरिया आजा मनमोहना...

सदियों से दर्शन की चाह में,
सुंदर लाल खड़ा बीच रह में,
बीती उमरिया आजा मनमोहना,
तरसी तरसी रे नजरिया आजा मनमोहना...

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/3069/title/tarsi-tarsi-re-najariya-aaja-manmohana-suni-suni-ghagriya-aja-manmohana

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |